ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–१६
दिनांक- शुक्रवार, २५ फरवरी, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.4 एवं 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 52 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.1 एवं दोपहर में 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(26 फरवरी–02 मार्च, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 26 फरवरी –02 मार्च, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में अगले एक–दो दिनों तक हल्के बादल आ सकते है उसके बाद आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 28 से 31 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 13 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले तीन एक दिन पूरवा हवा उसके बाद पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसम की शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए तैयार सरसों की कटनी तथा दौनी एवं आलू की खोदाई करे। ज्वार की बुआई करे। इसकी स्वीट ज्वार या कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मेथ या बोरी की फसल जरुर लगावें। मकई की अफ्रीकन टॉल प्रभेद की बुआई करें।
- बसंतकालीन मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर १५–२० टन गोबर की खाद, ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम सल्फर एवं ३० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा ११, शक्तिमान १ एवं २ किस्में अनुशंसित है। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें। रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई से पूर्व खेत की जुताई में २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम सल्फर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०–६६८, एच०यू०एम०–१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–१९, पंत उरद–३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०–२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०–३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। कृषक भाई बुआई पूर्व बीज का प्रबंध प्रमाणित स्त्रोत से सुनिश्चित कर लें।
- सुर्यमुखी की बुआई १० मार्च तक संपन्न कर लें। खेत की जुताई में १०० क्विंटल कम्पोस्ट, ३०–४० किलोग्राम नेत्रजन, ८०–९० किलोग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०–१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०–१, के०बी०एस०एच०–१, के०बी०एस०एच०–४४, एम०एस०एफ०एच०–१, एम०एस०एफ०एच०–८ एवं एम०एस०एफ०एच०–१७ अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- इस मौसम में प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का आक्रमण हो सकता है । बचाव के लिए मौसम साफ रहने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का १.० मि०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर हीं करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई करें। १५०–२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०–३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं उपयुक्त वर्षा न होने की स्थिति में सिंचाई करें।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई २५–३० दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में १० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।

आज का अधिकतम तापमानः २५.१ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.४ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः १६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.२ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी